चीनी उत्पादन 2.18 प्रतिशत घटने के आसार

एजेंसियां
नई दिल्ली, 28 अक्टूबर

भारत का चीनी उत्पादन चालू 2021-22 सत्र में 2.18 प्रतिशत घटकर 3.05 करोड़ टन रहने का अनुमान है। इसका मुख्य कारण एथेनॉल उत्पादन के लिए चीनी का उपयोग किया जाना है। भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) ने आज यह जानकारी दी।

इसमें कहा गया है कि देश को 2021-22 सत्र (अक्टूबर-सितंबर) में करीब 60 लाख टन अतिरिक्त चीनी का निर्यात जारी रखना होगा। वर्ष 2020-21 के सत्र में चीनी का उत्पादन तीन करोड़ 11.8 लाख टन का हुआ था।

ब्राजील के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक देश भारत, अपने एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम के लिए बड़े पैमाने पर गन्ने का उपयोग कर रहा है। उद्योग संगठन इस्मा ने पहला अनुमान जारी करते हुए कहा कि 2021-22 सत्र में गन्ने की पेराई कुछ क्षेत्रों में शुरू हो चुकी है और देश के अन्य क्षेत्रों में जल्द ही पेराई शुरू होने की उम्मीद है।

उसने कहा, 'इस्मा ने 2021-22 में लगभग 3.05 करोड़ टन चीनी उत्पादन का अनुमान लगाया है, जो जुलाई 2021 में जारी किए गए 3.1 करोड़ टन के प्रारंभिक अनुमान से कम है।' इसने कहा है कि महाराष्ट्र में चीनी का उत्पादन एक करोड़ 22.5 लाख टन, उत्तर प्रदेश में एक करोड़ 13.5 लाख टन, कर्नाटक में 49.5 लाख टन होने का अनुमान है जिसमें एथेनॉल के लिए चीनी का उपयोग किए जाने को शामिल नहीं किया गया है। देश में ए शीर्ष 3 चीनी उत्पादक राज्य हैं।

इस्मा ने कहा कि उसे उत्तर प्रदेश में विशेष रूप से पूर्वी क्षेत्र में बेमौसम बारिश के कारण उपज में मामूली गिरावट और चीनी से शीरे की प्राप्ति में कमी आने की उम्मीद है। महाराष्ट्र में भी पिछले वर्ष के मुकाबले प्रति हेक्टेयर उपज थोड़ा कम रहने की उम्मीद है। शेष राज्यों से 2021-22 सत्र में सामूहिक रूप से 53.1 लाख टन चीनी का उत्पादन होने की उम्मीद है।

उच्च एथेनॉल उत्पादन क्षमता और निरंतर अधिशेष गन्ना उपलब्धता होने के कारण, 2021-22 सत्र में गन्ने के रस या सिरप और बी-शीरा की एक बड़ी मात्रा का उपयोग एथेनॉल उत्पादन में किया जाएगा।

इसमें कहा गया है किए एथेनॉल बनाने के लिए गन्ने के रस एवं बी-शीरा के हस्तांतरण से 2021-22 के सत्र में चीनी उत्पादन में लगभग 34 लाख टन की कमी आएगी, जैसा कि पहले भी इस्मा ने अनुमान लगाया था।

हालांकि, वर्ष 2021-22 के लिए एथेनॉल की निविदा को अंतिम रूप दिए जाने के बाद गन्ने के हस्तांतरण की बेहतर तस्वीर का पता लगाया जा सकता है। एसोसिएशन ने कहा कि मिलों ने पहले ही एथेनॉल आपूर्ति के लिए बोलियां जमा कर दी हैं।

इस्मा ने कहा कि एक अक्टूबर तक देश में 82.9 लाख टन चीनी का शुरुआती स्टॉक है, जो एक साल पहले की अवधि की तुलना में 25 लाख टन कम है। लेकिन, यह अभी भी चालू सत्र के शुरुआती महीनों के लिए घरेलू आवश्यकता से अधिक है। इस्मा, जनवरी 2022 में गन्ने और चीनी उत्पादन अनुमानों की फिर से समीक्षा करेगा।

एथेनॉल बनाने में होगा चीनी का ज्यादा इस्तेमाल

- **देश को 2021-22 सत्र में करीब 60 लाख टन अतिरिक्त चीनी का निर्यात जारी रखना होगा**
- **उत्तर प्रदेश में विशेष रूप से पूर्वी क्षेत्र में बेमौसम बारिश के कारण उपज में मामूली गिरावट और चीनी से शीरे की प्राप्ति में कमी आने की उम्मीद**